NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH

aglasem.com

Class : 6th

Subject : Hindi

Chapter : 03

Chapter Name : नादान दोस्त

Q1 अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे? वे आपस ही में सवाल-जवाब करके अपने दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

Answer. केशव और श्यामा के मन में अंडों को देखकर सवाल उठते कि अंडे कितने बड़े होंगे? कितने और किस रंग के होंगे? क्या खाते होंगे और उनमें से बच्चे कैसे निकलेंगे? उनके सवालों का जवाब देने वाले उनके माता पिता बहुत व्यस्त थे। माँ घर के कामो में और पिता जी पढ़ने लिखने में। उनकी जिज्ञासाओं को मिटाने वाला कोई नही था, इसीलिए दोनो आपस मे ही सवाल जवाब करके खुद को तसल्ली दिया करतें थे।

Page : 19 , Block Name : कहानी से

Q2 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

Answer. केशव और श्यामा ने सोचा की अंडों में से बच्चे निकल आये होंगे तो चिड़ियाँ इतना दाना कहा से लाएगी कि सब बच्चों का पेट भर सकें | बच्चों को धूप भी लगती होगी और बेचारे प्यास के मारे तड़पते होंगे | यही सब सोचकर उन दोनों ने टोकरी, कपड़ा और दाना-पानी लाकर कार्निस पर रख दिया |

Page : 19 , Block Name : कहानी से

Q3 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

Answer. केशव और श्यामा ने अंडे उठाकर गद्दी पर रख दिए थे | उन्होंने सोचा इससे अंडे सुरक्षित रहेंगे लेकिन वे नहीं जानते थे कि चिड़ियाँ के अंडे छूने से गंदे हो जाते हैं और फिर चिड़ियाँ उन्हें सेती नहीं हैं | चिड़ियाँ ने उन अंडों को गिरा दिया और नादानी में केशव से यह पाप हो गया |

Page : 19 , Block Name : कहानी से

Q1 केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

Answer. उनकी चिंता थी कि चिड़ियों के लिए इतना सारा खाना कहा मिलेगा, और नही मिला तो भूखे मर जायेंगे, ऊपर इतनी धूप है उन्हें कितनी धूप भी लगती होगी, पेड़ की छांव नही है ऊपर, पानी भी देने वाला कोई नही है। हम होते तो हम अनुमान लगाते कि कोई जानवर या अन्य हिंसक चीज़ उसके आस पास भी न भटके, मैं इसका प्रयास करता। हम अंडों के साथ छेड़-छाड़ नहीं करते। चिड़ियों के लिए दाना हम कार्निस पर रखने की जगह नीचे जमीन पर बिखेर देते।

Page : 20 , Block Name : कहानी से आगे

Q2 माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

Answer. माँ के सुलाने के बाद भी दोनों सोने की ढोंग किय लेटे थे। जब उन्हें पूरा विश्वास हो गया कि माँ सो चुकी है तो चुपके से दोनों बाहर निकले। अंडे और चिड़ियों के घोंसले को सुरक्षित और खाना देने के लिए निकले थे। माँ के पूछने पर उन्होंने झूठ इसलिए बोला क्योंकि उन्हें डाँट या पिटाई लगने का डर था।

Page : 20, Block Name :कहानी से आगे

Q3 प्रेमचंद जी ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। आप इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

Answer. इसका दूसरा शीर्षक 'चिड़िया का घोसला' हो सकता हैं क्योंकि पूरी कहानी चिड़िया के घोंसले पर आधारित है।

Page : 20 , Block Name : कहानी से आगे

Q1 इस पाठ में गरमी के दिनों की चर्चा है। अगर सर्दी या बरसात के दिन होते तो क्या-क्या होता? अनुमान करो और अपने साथियों को सुनाओ।

Answer. अगर सर्दी का मौसम होता तो दोनों भाई बहन मिलके चिड़ियों को धूप में रखते और उन्हें गरम रखने के सारे उपाय करते। वही अगर बरसात का मौसम होता तो दोनों अंडे को गीले होने से बचाने के लिए उन्हें ढकने का उपाय करते। दोनो की सूरतों में उनकी माँ उन्हें अंडों को छेड़ने के लिए गुस्सा करती और अपनी तबियत के ख्याल के बारे में उन्हें समझाती।

Page : 20 , Block Name :अनुमान और कल्पना

Q2 पाठ पढ़कर मालूम करो कि दोनों चिड़ियाँ वहाँ फिर क्यों नहीं दिखाई दीं? वे कहाँ गई होंगी? इस पर अपने दोस्तों के साथ मिलकर बातचीत करो।

Answer. एक बार जब चिड़ियों का घोसला को छेड़ देता है तो वो उस जगह से चले जाते है, उन्हें अपनी जान और अपने अंडों के जान की फिक्र रहती है। वो कही और किसी पेड़ या किसी सुरक्षित जगह चले गए होंगे। शायद इसिलए वह पर दोनों कभी वापस से दिखाई नही दिए।

Page : 20 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q3 केशव और श्यामा चिड़िया के अंडों को लेकर बहुत उत्सुक थे। क्या तुम्हें भी किसी नई चीज, या बात को लेकर कौतूहल महसूस हुआ है? ऐसे किसी अनुभव का वर्णन करो और बताओ कि ऐसे में तुम्हारे मन में क्या-क्या सवाल उठे?

Answer. मुझे अपने घर में पैदा हुए कुत्ते के बच्चों के प्रति लगाव बना रहता था। एक बार मेरे घर के पिछले हिस्से में एक कुत्ते ने तीन बच्चे दिए थे। उन्हें देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। कुत्ते इतने सारे बच्चे कैसे दे दिया। उन्हें देखना मुझे बहुत अच्छा लगता था। मैं माँ से छुपा कर कटोरी में दूध रख आया करता था और कभी कभी अपने हिस्से की रोटी भी उन्हें खिला देता था। मेरे मन में अक्सर यह सवाल उठता था कि कुत्ते इतने सारे बच्चे कैसे पैदा करता होगा। रखता कहा होगा पैदा होने से पहले उसका पेट भी इतना छोटा होता है।

Page : 20 , Block Name : अनुमान और कल्पना

Q1 श्यामा माँ से बोली, “मैंने आपकी बातचीत सुन ली है।”

ऊपर दिए उदाहरण में मैंने का प्रयोग ‘श्यामा’ के लिए और आपकी का प्रयोग ‘माँ’ के लिए हो रहा है। जब सर्वनाम का प्रयोग कहने वाले, सुनने वाले या किसी तीसरे के लिए हो, तो उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। नीचे दिए गए वाक्यों में तीनों प्रकार के पुरुषवाचक सर्वनामों के नीचे रेखा खींचो-

Answer. एक दिन दीपू और नीलू यमुना तट पर बैठे शाम की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक लंबा आदमी लड़खड़ाता हुआ उनकी ओर चला आ रहा है। पास आकर उसने बड़े दयनीय स्वर में कहा, “मैं भूख से मरा जा रहा हूँ। क्या आप मुझे कुछ खाने को दे सकते हैं?”

Page : 20 , Block Name : भाषा की बात

Q2 तगड़े बच्चे

मसालेदार सब्ज़ी

बड़ा अंडा

यहाँ रेखांकित शब्द क्रमशः बच्चे; सब्ज़ी और अंडे की विशेषता यानी गुण बता रहे हैं, इसलिए विशेषणों को गुणवाचक विशेषण कहते हैं। इसमें व्यक्ति या वस्तु के अच्छे बुरे हर तरह के गुण आते हैं। आप चार गुणवाचक विशेषण लिखो और उनके वाक्य बनाओ।

Answer.

गुण वाक्य

जिज्ञासा – बच्चों में जिज्ञासाओं की कमी नही होती।

नीला – समुद्र का पानी बिल्कुल नीला रहता है।

मोटी – मेरी आधी से ज्यादा पाठ्य पुस्तक मोटी और भारी है।

मीठा – आयुष के पापा बहुत मीठा बोलते हैं।

Page : 21 , Block Name : भाषा की बात

Q3 (क) केशव ने झुंझलाकर कहा ……..

(ख) केशव रोनी सूरत बनाकर बोला ……

(ग) केशव घबराकर उठा

(घ) केशव ने टोकरी को एक टहनी से टिकाकर कहा ……..

(ङ) श्यामा ने गिड़गिड़ाकर कहा ……

ऊपर लिखे वाक्यों में रेखांकित शब्दों को ध्यान से देखो। ये शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण का काम कर रहे हैं, क्योंकि ये बताते हैं कि कहने, बोलने और उठने की क्रिया कैसे क्रिया हुई। ‘कर’ वाले शब्दों के क्रियाविशेषण होने

aglasem.com

की एक पहचान यह भी है कि ये अकसर क्रिया से ठीक पहले आते हैं। अब तुम भी इन पाँच क्रियाविशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो।

Answer. (क) झुंझलाकर = माँ बच्चों की जिद से झुंझलाकर चली गई।

(ख) बनाकर = कारीगर लकड़ी की वस्तुएँ बनाकर बेचता हैं |

(ग) घबराकर = बुरा सपना देखकर राम नींद में घबराकर उठ गया |

(घ) टिकाकर = श्यामा अपना सिर दीवार से टिकाकर खड़ी थी।

(ङ) गिड़गिड़ाकर = एक बच्चा अपनी माँ के इलाज के लिए गिड़गिड़ा कर डॉक्टर से भीख मांग रहा था।

Page : 21 , Block Name : भाषा की बात

Q4 नीचे प्रेमचंद की कहानी 'सत्याग्रह' का अंश दिया गया है। आप इसे पढ़ोगे तो पाओगे कि विराम चिह्नों के बिना यह अंश अधूरा-सा है। तुम आवश्यकता के अनुसार उचित जगहों पर विराम चिह्न लगाओ -

उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया। 11 बज चुके थे चारों तरफ़ सन्नाटा छा गया था। पंडित जी ने बुलाया खोमचेवाले। खोमचेवाला-कहिए क्या है,भूख लग आई न अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है हमारा आपका नहीं। मोटेराम-अबे क्या कहता है यहाँ क्या किसी साधु से कम हैं चाहें तो महीनो पड़े रहें और भूख न लगे तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि जरा अपनी कुप्पी मुझे दे देखें तो वहाँ क्या रेंग रहा है मुझे भय होता है।

Answer. उसी समय एक खोमचेवाला जाता दिखाई दिया। 11 बज चुके थे। चारों तरफ सन्नाटा छा गया था। पंडित जी ने बुलाया, "खोमचेवाले !" खोमचेवाला-"कहिए, क्या हूँ? भूख लग आई न। अन्न-जल छोड़ना साधुओं का काम है, हमारा-आपका नहीं।' मोटेराम- "अबे, क्या कहता है? यहाँ क्या किसी साधु से कम हैं। चाहें तो महीनों पड़े रहें और भूख न लगे। तुझे तो केवल इसलिए बुलाया है कि जरा अपनी कुप्पी मुझे दे। देखें तो, वहाँ क्या रेंग रहा है। मुझे भय होता है।"

Page : 21 , Block Name : भाषा की बात

aglasem.com